केस स्टडी

नंबर 6

सेवा भावना

नामः ममता देवी

उम्रः 43 वर्ष

शिक्षाः 12वीं

मुखियाः 2015 से

अनुभवः प्राथमिक विद्यालय में अध्यापन

ग्राम पंचायतः इचातू

पंचायत समितिः डुल्मी

जिलाः रामगढ़

राज्यः झारखण्ड

इचातू ग्राम पंचायत की मुखिया ममता देवी की इच्छा है कि उनके गाँव की पहचान उनके ग्राम पंचायत के अच्छे कामों और उसके आत्म निर्भर लोगों से बने। ग्राम पंचायत में संसाधनों के अभाव के बाद भी ममता देवी अपने ग्राम पंचायत की कमियों को दूर करते हुये उसके समग्र विकास के बारे में सोचती हैं और इस काम के लिये हमेशा प्रयास भी करती रहती हैं। ममता देवी से मुलाकात उनके प्रखण्ड के ही डुल्मी ग्राम पंचायत की मुखिया के साथ हुई। अपने बारे में जानकारी देते हुये ममता देवी ने बताया कि पहले वह अपने ग्राम पंचायत के ही एक स्कूल में पढ़ाने का काम करती थीं। उनके मन में शुरू से ही लोगों के लिये काम करने की इच्छा थी और इसी लिये उन्होंने पढ़ाने का काम भी किया।

समाज के दूसरे लोगों के लिये काम करने की इच्छा के कारण ही उन्होंने 2015 में इचातू ग्राम पंचायत के मुखिया पद के लिये चुनाव लड़ने का मन बनाया। मुखिया के चुनाव लड़ने के लिये मिली प्रेरणा के बारे में ममता ने कहा 'आदमी जन्म लेता है, खाता–पीता है और मर जाता है। लेकिन अगर सेवा की भावना है और जनता मौका दे रही है तो अच्छे से निभाये और एक दिन सब कहेंगे कि फलाना मुखिया के समय में यह काम हुआ, सेवा की भावना थी उसमें'। गाँव के लोगों के सहयोग से ममता देवी ग्राम पंचायत के मुखिया के चुनाव में जीत भी गयीं।

ममता देवी ने मुखिया बनने के बाद स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत ग्राम पंचायत को खुले में शौच से मुक्त पंचायत बनाने के लिये प्रयास किया जिससे जून 2016 में उनकी ग्राम पंचायत को खुले में शौच से मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया गया है। उनके अनुसार क्योंकि लोगों ने शौचालय को घर से दूर बनाया है और वहाँ पानी की कमी है इस कारण कुछ लोगों ने आस–पास के नालों के पास जाकर शौच करना आरम्भ कर दिया है। ममता देवी ने इस दिशा में भी प्रयास किया है किन्तु उनका मानना है कि लोगों के व्यवहार में परिवर्तन के लिये सरकार को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उनके अनुसार गाँव के लोगो के लिये पीने और खाना बनाने के लिये भी पानी लाना एक दिक्कत है शौचालय के लिये पानी लाना तो लोग सबसे अन्त में सोचते हैं। जानकारियों की कमी के कारण ममता देवी ने इस बारे में कभी किसी अधिकारी से बात नहीं की है।

आस–पास के अन्य गाँवों की तरह ही इचातू ग्राम पंचायत में भी महात्मा गाँधी ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना में काम करने के लिये लोग नहीं मिलते हैं। योजना में कम मजदूरी और समय पर मजदूरी का भुगतान नही होने के कारण इचातू के लोग दूसरी जगहों पर काम करना ज्यादा पसंद करते हैं। ममता देवी का मानना है कि उनके लिये ग्राम पंचायत की सबसे अच्छी स्थिति तब होगी जब लोगों को काम की तलाश में गाँव से पलायन नहीं करना पड़ेगा क्योंकि सभी लोग जानते हैं कि घर से बाहर जाने पर कितनी दिक्कत आती है। उनके अनुसार सिंचाई के लिये पानी की कमी से गाँव में बहुत सी जमीन खाली पड़ी रहती है। ममता देवी के मन में गाँव में सिंचाई व्यवस्था में सुधार करने के लिये एक योजना स्वीकृत कराने की इच्छा है।

अपने ग्राम पंचायत में ग्राम पंचायत डेवलेपमेन्ट प्लान बनाने के बारे में पूछे जाने पर ममता देवी बताती हैं कि उनके द्वारा ग्राम सभा में लोगों को बुला कर योजना का निर्माण कराया गया है और उसे विकास खण्ड कार्यालय में जमा करा दिया गया है। योजना के आधार पर कितनी राशि ग्राम पंचायत में आयेगी इसकी जानकारी तो उनको नहीं है किन्तु उनके अनुसार पैसा कम आने पर लोगों का ग्राम पंचायत पर विश्वास कम हो जायेगा।

ममता देवी को चुनाव जीतने के बाद किसी भी प्रकार का प्रशिक्षण नहीं दिया गया है किन्तु उनके द्वारा अपने ग्राम पंचायत में निम्नलिखित काम किया जा रहा हैं–

1. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना के कामों का नियमित सत्यापन
2. स्कूलों को समय पर खोलने के लिये स्कूलों का नियमित भ्रमण
3. ऑगनबाड़ी केन्द्रों में पोषाहार का सही तरीके से वितरण सुनिश्चित करने के लिये भ्रमण
4. बच्चों और गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण के लिये आवश्यक प्रयास
5. ग्राम पंचायत के लोगों के बैंकों में खाता खुलवाने और आधार कार्ड बनवाने का काम

मुखिया के रूप में काम करने संबंधी बातो को बताते हुये ममता देवी कहती हैं कि वह अपना काम सही तरीके से करना चाहती हैं। जैसे कि प्रधान मंत्री आवास योजना के लिये उन्होंने लोगों के घर जाकर और उनसे बात करके सही लोगों को योजना का लाभ दिलाने का प्रयास किया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत के जरूरत वाले क्षेत्रों में सड़क का निर्माण, नाली निर्माण का काम ग्राम पंचायत ने कराया है। लोगों की जरूरतों को देखते हुये ग्राम पंचायत में सामुदायिक भवन का निर्माण भी कराया गया है।

ममता देवी बताती हैं कि उनके द्वारा खेती के विकास के साथ ही बागवानी के विकास के लिये भी प्रयास किया जा रहा है। उनका मानना है कि पेड़–पौधों से गाँव में हरियाली बढ़ने के साथ ही लोगों को फल–फूल भी मिलेगा और लोगों का रोजगार और आमदनी भी बढ़ेगी।

ममता देवी के अनसार उनके ग्राम पंचायत में महिला और पुरूष के बीच बहुत भेद–भाव नहीं है। अपना उदाहरण देते हुये वह बताती हैं कि उनके पंचायत सेवक उनको बहुत सहयोग करते हैं। यद्यपि वह यह भी बताती हैं कि 'पंचायत के सचिव पर बहुत भार है तो उनके काम करने में दिक्कत भी आती है'। उनके अनुसार सरकार को कोशिश करनी चाहिये की लड़कों और लड़कियों को समान दर्जा मिले और सब आगे बढ़ें।

ममता देवी क्षमता विकास के साथ ही ग्राम पंचायत में मानव संसाधनों को उपलब्ध कराने की बात करते हुये कहती हैं कि काम करने वाले लोग अधिक होंगे तो मुखिया को ज्यादा सहयोग मिलेगा और गाँव का विकास तेजी से होगा।